

सेतुक पुं. (तत्.) 1. पुल 2. बाँध, जलाशय का घुस्स 3. वरुण नामक वृक्ष, बरना।

सेतुकर पुं. (तत्.) जो व्यक्ति पुल का (सेतु) का निर्माण करता हो, पुल या सेतु बनाने वाला व्यक्ति।

सेतुकर्म पुं. (तत्.) पुल बनाने का काम (क्रिया) सेतु या पुल बांधने का कर्म या काम।

सेतुज पुं. (तत्.) दक्षिणापथ के एक स्थान का नाम।

सेतुपति पुं. (तत्.) 1. सेतु या पुल का स्वामी 2. दक्षिण में तमिऴनाडु प्रांत के प्राचीन राज्य 'नामनाड' या रामनद के राजा को परंपरा के अनुसार प्राप्त उपाधि (सेतुबंध रामेश्वरम् के राजा या स्वामी होने के कारण)।

सेतुपथ्य पुं. (तत्.) 1. वह पथ या सड़क जो ऊँची-नीची पहाड़ी घाटियों में होकर गुजरती हो 2. दुर्गम स्थानों में होकर जाने वाली सड़क।

सेतुप्रद पुं. (तत्.) कृष्ण का एक नाम।

सेतुबंध पुं. (तत्.) 1. पुल बनाने का काम 2. सेतु की रचना, पुल या बांध बनाने की क्रिया 3. नहर 4. वह पथरीला मार्ग जो रामेश्वरम् से कुछ दूर आगे लंका की ओर जाता है, रामकथा के अनुसार इस मार्ग को नल-नील तथा अन्य वानरों ने श्री रामचंद्र जी के द्वारा लंका पर चढ़ाई करने के समय बनाया था। यह "सेतुबंध रामेश्वरम्" नाम से विख्यात है।

सेतुबंध रामेश्वरम् पुं. (तत्.) 1. तमिलनाडु प्रांत का, ऐतिहासिक पुल 'सेतुबंध' वाला स्थान तमिलनाडु के रामेश्वरम् नामक स्थान से लंका की ओर जाने वाला श्री रामचंद्र जी की आज्ञा से निर्मित सेतु या पुल 2. भारत की दक्षिणी सीमा का वह स्थान जहाँ से भी रामचंद्र जी ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए पुल या सेतु निर्माण के साथ ही शिव-लिंग की स्थापना भी की थी, यह स्थान भारत के प्रमुख तीर्थ स्थानों में से एक होने के साथ भारतीय संस्कृति और धर्म का प्रमुख केन्द्र है।

सेतुशैल पुं. (तत्.) 1. दो देशों के बीच का सरहदी पहाड़ 2. दो परस्पर पड़ोसी देशों का सीमासूचक पर्वत 3. ऐसा पहाड़ जो दो देशों के बीच में स्थित होने से उनकी सीमा का सूचक भी हो।

सेथिया पुं. (देश.) आँख, गुदा, मूत्रेंद्रिय आदि से संबंधी रोगों की चिकित्सा करने वाला वैद्य या चिकित्सक, जिसे तेलगू में चेहि, चोट्टिया तथा हिंदी में सेठिया कहा जाता है।

सेद पुं. (तद्.) स्वेद, पसीना।

सेदज वि. (तद्.) स्वेदज, पसीने से पैदा होने वाला जीव या कीड़ा, जूँ।

सेदरा पुं. (फा.) तीन दरवाजों वाला मकान, तीन ओर खुली जगह (स्थान) वाला मकान, तिदरी।

सेध पुं. (तत्.) 1. मनाही 2. निषेध 3. हटाना, निवारण।

सेधक वि. (तत्.) 1. हटाने या रोकने वाला 2. निवारक, प्रतिरोधक।

सेधा स्त्री. (तत्.) साही, नामक जंतु।

सेन वि. (तत्.) 1. सनाथ, स्वामियुक्त 2. आश्रित पुं. (तत्.) 1. तन, शरीर 2. जीवन 3. प्राचीन काल (भारत में) में व्यक्तियों के नाम के अंत में लगने वाला पद जैसे- इंद्रसेन, मंगल सेन, शूरसेन 4. भारत में बंगाल में रहने वाले वैद्य जातीय लोगों की एक उपाधि 5. चार प्रकार के दिगंबर जैन साधुओं में से एक 6. 11वीं से 15 वीं शताब्दी तक राज्य करने वाला बंगालियों का सिद्ध राजवंश 3. बाज पक्षी स्त्री. (तद्.) सेना, फौज।

सेनजित वि. (तत्.) सेना को जीतने वाला पुं. (तत्.) कृष्ण का एक पुत्र, कृशाख का एक पुत्र, स्त्री. (तत्.) एक अप्सरा।

सेनपति पुं. (तद्.) सेनानायक, सेना का स्वामी।

सेनर कंधा पुं. (तद्.) शंबर का एक पुत्र।

सेनहा पुं. (तद्.) शंबर का एक पुत्र वि. (तत्.) सेना का हनन करने वाला।